

कुछ याद करो अपना पवनसुत वो बालपन भजन लिरिक्स



कुछ याद करो अपना पवनसुत वो बालपन,
अब जागो हे अंजनी कुमार,
लंका की और प्रयाण करो,
हे भूतकाल के विकट वीर,
तुम वर्तमान निर्माण करो,
हम सब चिंता में डूबे हैं,
माता का पता लगाओ तुम,
दुखियों का दुखड़ा दूर करो,
संकटमोचन कहलाओ तुम ॥

कुछ याद करो अपना पवनसुत वो बालपन,
वीध्युत की गति जिसमें थी अद्भुत वो बालपन,
कुछ याद करो अपना पवनसुत वो बालपन ॥ ॥

दुनिया थी दंग देख तुम्हारी उड़ान को,
तुमने हिला के रख दिया था आसमान को,
आकाश तुम्हारे लिये था एक अखाड़ा,
जिसने भी ली टक्कर उसे पल भर में पछाड़ा,
बिजली की तरह लपके थे सूरज की तरफ तुम,
मुखड़े में छुपाकर के दिवाकर को किया गुम,
तुम खा गये धधकता हुआ अग्नि का गोला,
ताकत तुम्हारी देखके ब्रम्हन्ड था डोला,
हनुमान जी कहाँ गई वो शक्ति विलक्षण,
कुछ याद करो अपना पवनसुत वो बालपन ॥ ॥

फिर एक नया दुश्मन तुम्हें ललकारने लगा,
आँखें दिखा के शेखिया बघारने लगा, राहु
उसको दे मारी तुमने लात बात बात में,
पापी को किया मात तुमने बात बात में,
जब राहु गया हार तो फिर इन्द्र भी आया,
झुंझला के उसने तुमपे अपना वज्र चलाया,
और अंत में सब हो गया झगड़ों का सफाया,
तब देवों ने मिलकर तुम्हें वज्रांग बनाया,
है आज कसौटी तुम्हारी ओ केसरी नंदन,
कुछ याद करो अपना पवनसुत वो बालपन ॥ ॥



तुम शक्ति पुंज हो किसी से डर नहीं सकते,
ऐसा ना कोई काम जो तुम कर नहीं सकते,
उठो छल्लाँग मारो बजरंगबली,
आकाश को ललकारो बजरंगबली,
भीषण स्वरूप धारो बजरंगबली,
संकट से तुम उबारो बजरंगबली,
उठो बजरंगबली जागो बजरंगबली ॥ ॥

कुछ याद करो अपना पवनसुत वो बालपन,
वीध्युत की गति जिसमे थी अद्भुत वो बालपन,
कुछ याद करो अपना पवनसुत वो बालपन ॥ ॥
